कैंसर रोगियों के लिए खुशखबरी!

प्रतिनिधि

कैंसर रोगियों के लिए यह खुशखबरी है! असह्य दर्द और पीड़ा के लिए मरीजों के लिए अब आयुर्वेदिक दवाई का इजाद कर लिया गया है। कैंसर के लिए यह औषधि रामबाण साबित हो रही है और लगातार इसे व्यवहार में लाने के लिए अब एलोपैथ के चिकित्सक भी इसे अपना रहे हैं। 'कर्कटोल' नामक इस दवा का इजाद जयपुर के वैध नन्दलाल तिवारी ने किया है। 25 वर्षों के अनवरत प्रयास तथा प्राचीन ग्रंथों व भारत सरकार द्वारा आयुर्वेदिक औषधि के रूप में मान्य आठ वनस्पतियों के शुद्ध मिश्रण से यह दवाई तैयार की गयी है। आल इण्डिया आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली ने वैध तिवारी की दवाई 'कर्कटोल' का भेषज टेस्ट कर लिया है और इसे पूर्ण रूप से सुरक्षित व निरापद घोषित किया है।"

आज से कुछेक साल पहले जब पहली बार वैध नन्दलाल तिवारी ने कैंसर के इलाज की दावेदारी की थी तो कई चिकित्सा विज्ञानियों ने संदेह व्यक्त करना शुरू किया था। इसके बाद धीरे-धीरे रोगियों को लाभ मिलते जाने के बाद वैध तिवारी राजस्थान में सुख्यात हो गए। राजस्थान सरकार की पहल पर वैध तिवारी द्वारा विकसित दवा 'कर्कटोल' को एम्स में जांचा गया और डाक्टरों ने हरी झण्डी दिखा दी।

इसके बाद तो वैध तिवारी के यहां रोगियों की भीड़ लगने लगी। इन रोगियों में कई स्वयं डाक्टर भी थे जिनका मुख्य उद्देश्य इलाज की सार्थकता की जांच करना था। वैध तिवारी की लोकप्रियता और निजात दिलाने में सफलता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि ब्रिटेन की एक महिला पत्रकार मसुबेन अमलाथी ने इस पर एक डाक्युमेंटरी फिल्म ही बना डाली। इस फिल्म ने पश्चिम के डाक्टरों में वैध तिवारी की कामयाबी से सनसनी फैला दी। मसुबेन अमलाथी की डाक्युमेंटरी फिल्म वैध तिवारी के इलाज से लाभ प्राप्त किए रोगियों के इन्टरव्यू तथा वैध तिवारी की दवाई के अनुसंधान की प्रक्रिया को दर्शाते हैं।

विश्व के प्रथम कैंसर चिकित्सालय दि रॉयल मर्सडेन हास्पिटल, लंदन तथा सरे (ब्रिट्रेन) ने कई महीनों तक कर्कटोल की प्रायोगिक सत्यता की जांच की। दि रॉयल मर्सडेन अस्पताल के विशेषज्ञों द्वारा संतुष्ट हो जाने के बाद अस्पताल ने वैध तिवारी की सेवाओं का लाभ उठाने की दिशा में पहल की। इस नामी कैंसर अस्पताल के अध्यक्ष डा. सी.एल. हार्मर तथा रजिस्ट्रार रिचर्ड नर्टन ने लीवर कैंसर से पीड़ित सोफिया को इलाज के लिए वैध तिवारी के पास भेजा। इस रोगी को अप्रत्याशित लाभ प्राप्त होने के बाद क्लीव लैंड (अमेरिका) के विश्व प्रसिद्ध चिकित्सालय दि इंगेल्स क्लिफ मेडिकल प्रैक्टिस के विशेषज्ञ डा. टी.ओ. के लोगन तथा डा. डी. ली ने लंदन से रक्त कैंसर के लिए उनके पास पहुंचे, नाजिर हुसैन को वैध तिवारी के पास पहुंचा। वैध तिवारी की दवाइयों का असर नाजिर हुसैन पर दिखा और थोड़े दिनों में चंगे हो गए। इसके बाद तो लंदन के थामस हास्पिटल सहित दुनिया भर से कैंसर रोगी वैध नन्दलाल तिवारी के यहां पहुंचने लगे हैं।

वैध नन्दलाल तिवारी की सफलता को देखते हुए बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने 'कर्कटोल' के उत्पादन में रूचि दिखाई है। कर्कटोल के बिक्री अधिकार के लिए कंपनियों में होड़ मची है लेकिन अभी भी वैध नंदलाल तिवारी ने इसे अपने पास आने वाले मरीजों तक ही सीमित रखा है।

1 June. रांची एक्सप्रेस (प्रभात खबर)